8. कर्नाटक-संपदा

- संकलित

प्रस्तुत निबंध द्‌वारा छात्र कर्नाटक के अतीत-वैभव, वर्तमान प्रौद्योगिकी-विकास तथा प्रकृति-संपदा के साथ-साथ इस राज्य के महान व्यक्तियों की साधना का परिचय प्राप्त करते हैं।

कर्नाटक राज्य भारत देश का प्रगतिशील राज्य है। यहाँ की आबादी लगभग छः करोड़ है। प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्‌ध बनाया है। कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है। इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।

कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकर बस गये हैं। बेंगलूरु शिक्षा का ही नहीं, बल्कि बड़े-बड़े उद्‌योग-धंधों का भी केंद्र है। यहाँ प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल., एच.एम.टी., आइ.टी.आइ., बी.एच.ई.एल., बी.ई.एल. जैसी बृहत् संस्थाएँ हैं। इसे 'सिलिकॉन सिटी' भी कहा जाता है।

सर.सी.वी.रामन,सर.एम.विश्वेश्वरय्या,डॉ.सी.एन.आर.राव, डॉ. शकुंतला देवी जैसे दिग्गजों ने वैज्ञानिक तथा प्रौद्‌योगिकी के क्षेत्र में नारायण मूर्ति ने अपनी महत्तर उपलब्धियों से कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित किया है। 2013 में डॉ. सी.एन.आर. राव को सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' प्राप्त हुआ है ।

यहाँ सोना, ताँबा, लोहा आदि कई प्रकार की उपयोगी धातुएँ मिलती हैं। भद्रावती में कागज़, लोहे और इस्पात के बड़े कारखाने हैं। इसके अलावा कर्नाटक

KTBS Not to be republished

में चीनी, सिमेंट, रेशम और कागज़ उत्पादन के अनेक कारखाने हैं। कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं। इसलिए कर्नाटक को 'चंदन का आगार' कहते हैं। यहाँ चंदन का तेल, साबुन तथा कलाकृतियाँ भी बनायी जाती हैं।

कर्नाटक में कावेरी, कृष्णा, तुंग-भद्रा आदि अनेक नदियाँ बहती हैं। इन नदियों पर बाँध बनाये गये हैं। इनसे हज़ारों एकड़ जमीन सींची जाती है। इसके अलावा इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा-उत्पादन केंद्र भी स्थापित किये गये हैं। जोग, अब्बी, गोकाक, शिवन समुद्र आदि जलप्रपात मनमोहक हैं।

गोलगुंबज़

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है। बेलूर, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं। ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है। बिजापुर के गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय दृष्टांत है। मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है। प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय हैं।

मैसूर का राजमहल

KTBS Not to be republished

गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होय्सल, ओडेयर आदि राजवंशजों ने तथा कृष्णदेवराय, मदकरिनायक, रानी अब्बक्का देवी, कित्तूर चेन्नम्मा, टिप्पू सुल्तान, आदिलशाह जैसे शासकों ने कर्नाटक राज्य की श्रीवृद्धि में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पंप, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

कुवेम्पु, द.रा. बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड, चंद्रशेखर कंबार आदि आधुनिक काल के साहित्यकार ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत हैं। यह कन्नड भाषा, संस्कृति तथा कर्नाटक के लिए गौरव का विषय है।

******

KTBS Not to be republished

पाठ का आशय :

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि' प्रत्येक व्यक्ति का अपनी जन्मभूमि से अनुराग और उस पर अभिमान करना सहज है। कर्नाटक हमारी जन्मभूमि है। यहाँ की प्राकृतिक सुषमा, साहित्यिक वैभव और ज्ञान-विज्ञान क्षेत्र की प्रगति अपार है। देश-विदेश के लोग यहाँ की तकनीकी के विकास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हैं। इस संदर्भ में प्रस्तुत पाठ अत्यंत प्रासंगिक एवं सार्थक है।

टिप्पणी :

व्हिस्परिंग गैलरी

यह बिजापुर के विश्व विख्यात गोलगुंबज़ में है। इसकी वास्तुकला अनोखी है। इस गुंबज़ के एक छोर से धीमी आवाज़ में बातें करें तो वह विरुद्ध छोर में स्पष्ट सुनाई देती है। इस गुंबज़ की एक और विशेषता यह है कि यहाँ एक बार आवाज़ निकलने से यह सात बार प्रतिध्वनित होती है।

शब्दार्थ :

आबादी - जनसंख्या, सँवारना - सजाना, सुषमा - अत्यधिक सुंदरता, लहराना - तरंगित होना, छोर - किनारा, अंतिम सिरा, घाट - Ghats, चढ़ाव-उतार का पहाड़ी मार्ग; आवली - कतार, पंक्ति; दिग्गज - महान व्यक्ति, प्रौद्योगिकी - तकनीकी, उपलब्धि - प्राप्ति, सिद्धि; पटल - परदा, धातु - खनिज पदार्थ, इस्पात - फौलाद, विपुल - अधिक, आगार - घर, सींचना - भिगोना, पानी देना; ऊर्जा - बिजली, वास्तुकला - इमारत, मकान आदि बनाने की कला, प्रतिमा - मूर्ति, अद्वितीय - जिसके समान दूसरा न हो, दृष्टांत - उदाहरण, श्रीवृद्धि - उन्नति, प्रगति; योगदान - सहायता देना, अनमोल - अमूल्य, बेजोड़।

विस्तृत रूप :

एच.ए.एल	-	हिंदुस्तान एरोनाटिकल लिमिटेड
एच.एम.टी	-	हिंदुस्तान मशीन टूल्स

KTBS Not to be republished

आइ.टी.आइ - इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीस

बी.ई.एल - भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड

बी.एच.ई.एल - भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

अभ्यास

I. मौखिक प्रश्न :

1. पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?
2. कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात हैं?
3. श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है?
4. ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के कवियों के नाम बताइए।
5. किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है?

II. लिखित प्रश्न :

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए ।
2. सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?
3. बिजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन सा है?
4. 'सिलिकॉन सिटी' नाम से प्रख्यात नगर कौन सा है?
5. अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?
6. कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं?

आ. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन से हैं?
2. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है?

K.T.B.S. Not to be republished

3. बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?

4. कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए ।

5. बेंगलूरु में कौन-कौन सी बृहत् संस्थाएँ हैं ?

इ. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

2. कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

3. कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है?

ई. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए :

(गंग, त्याग, पुराण, वैभव, कीर्ति, साबुन, चंदन, शांति)

1. कर्नाटक को ..... का आगार कहते हैं ।
2. गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और ..... का संदेश दे रही है ।
3. मैसूर का राजमहल कर्नाटक के ..... का प्रतीक है।
4. कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की ..... फैलायी है।

उ. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरु है।

2. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं।

3. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

4. वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

K T B S Not to be republished

ऊ. नमूने के अनुसार इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

उदा :पर्वत अद्रि पहाड़ गिरि

1. सागर ....
2. आगार ....
3. जल ....
4. आकाश ....

ऋ. विलोम शब्द लिखिए :

1. सुंदर ×
2. विदेश ×
3. आदि ×
4. सजीव ×
5. सदाचार ×
6. आयात ×

ए. उदाहरण के अनुसार बहुवचन रूप बनाना सीखिए :

उदा : संधि - संधियाँ

1. मूर्ति .....
2. उपलब्धि .....
3. कृति .....
4. नीति .....
5. संस्कृति .....
6. पद्धति .....

K T B S Not to be republished

ऐ. विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए :

1. दिग्गज
2. पर्वतावली
3. संग्रहालय
4. जलाशय
5. जगनमोहन
6. सदाचार
7. अत्यंत

ओ. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए :

1. देश-विदेश
2. जलप्रपात
3. राजवंश
4. राजमहल

III. परियोजना :

- श्री कृष्णदेवराय, विष्णुवर्धन, इम्मडी पुलिकेशी आदि राजाओं के बारे में जानिए।
- कर्नाटक में बहनेवाली नदियों की सूची तैयार कीजिए।

पाठ से आगे -

क.सही विकल्प को रेखांकित कीजिए :

1. तुंग-भद्रा नदी इन राज्यों में बहती है-

अ) कर्नाटक-तमिलनाडु आ) कर्नाटक-महाराष्ट्र

इ) कर्नाटक-आंध्र प्रदेश ई) कर्नाटक-केरल

K T B S Not to be republished

2. श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति का निर्माण इन्होंने कराया था-

अ) दीवान पूर्णय्या　　आ) मिर्जा इस्माइल

इ) श्री वीरेंद्र हेग्गडे　　ई) चावुंडराय

3. ज्ञानपीठ से पुरस्कृत प्रथम कन्नड साहित्यकार ये हैं -

अ) चंद्रशेखर कंबार　　आ) कुवेंपु

इ) यू. आर. अनंतमूर्ति　　ई) गिरीश कार्नाड

4. कन्नड भाषा के प्रथम 'राष्ट्रकवि' की उपाधि से अलंकृत साहित्यकार ये हैं -

अ) गोविंद पै　　आ) कुवेंपु

इ) जी.एस. शिवरुद्रप्पा　　ई) ती.नं.श्री

ख. अर्थ समझिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. तक - थक
2. छोर - चोर
3. बात - भात
4. और - ओर

ग. दिए-गए सही कारक चिह्न रिक्त स्थान में भरिए और इस अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए:

(ने, को, से, का, की, के, के लिए, में, पर)

कित्तूर ..... नौ मील दूरी ..... स्थित संगोली नामक एक छोटा सा गाँव है। इसी गाँव ..... एक गड़रिये परिवार ..... रायण्णा ..... जन्म सन् 15 अगस्त 1793 ई. ..... हुआ था। इनके पिताजी ..... नाम भरमण्णा था। रायण्णा ..... माता ..... नाम चंचोबा था। रायण्णा ..... अपने भाई सिद्दण्णा ..... संग कसरत ..... साथ-साथ

K.T.B.S. Not to be republished

शस्त्राभ्यास भी किया। परिश्रम ..... फलस्वरूप कित्तूर रानी चेन्नम्मा ..... राज्य ..... रायण्णा मुख्य सेनापति ..... पद ..... आरूढ़ हुए। उन्होंने अंग्रेजों ..... देश ..... भगाकर भारतमाता ..... स्वतंत्रता दिलाना ही अपना परम कर्तव्य माना था।

घ. वर्ग पहेली :

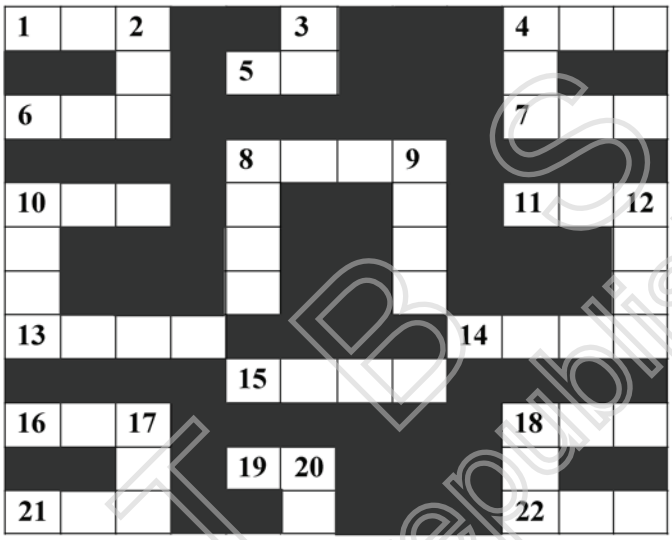

बाएँ से दाएँ -

1. रायचूर जिले से विभक्त होकर उदित नया जिला - नाम पलट गया है ।(3)
4. सोने का खान यहाँ है । (3)
5. प्रसिद्ध नाटक-अभिनेता वीरण्णा इस गाँव के थे । (2)
6. इसे कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है । (3)
7. बीदर जिला के समीप का जिला केंद्र ।
8. तुमकूरु जिले के सिद्धगंगा के साथ इस गाँव का नाम जुड़ा रहता है। (4)
10. यह केलदी संस्थान की राजधानी है । (3)

K.T.B.S. Not to be republished

11. प्रसिद्ध मारिकांबा-मंदिर इस स्थान में है । (3)
13. प्रख्यात तेज़ गेंदबाज श्रीनाथ इस गाँव के हैं - नाम पलट गया है । (4)
14. कर्नाटक की राजधानी । (4)
15. टिप्पू सुल्तान का जन्मस्थान । (4)
16. रानी चेन्नम्मा का गाँव । (3)
18. कर्नाटक में अत्यधिक वर्षा होने का स्थान । यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य मनमोहक लगता है - नाम पलट गया है। (3)
19. राजा, रानी, रोरर, रॉकेट को इस जलप्रपात में देख सकते हैं । (2)
21. गुफांतर शिल्पकला का अद्‌भुत उदाहरण इस गाँव में देखा जा सकता है - नाम पलट गया है। (3)
22. हेमावती नदी पर यहाँ बाँध बनाया गया है । (3)

ऊपर से नीचे -

2. मूकांबिका मंदिर यहाँ है । (3)
3. मडिकेरी के पास का विख्यात जलप्रपात । (2)
4. कोडवा भाषा इस जिले में बोली जाती है । (3)
8. शिवप्पनायक की राजधानी, अब एक जिला केंद्र स्थान भी है । (4)
9. प्रख्यात जोग जलप्रपात इस गाँव में है । (4)
10. साड़ियों को बुननेवाला यह गाँव बागलकोट जिले में है । (4)
12. शरावती नदी को लाँच द्‌वारा पार कर इस गाँव की चौडेश्वरी देवी के दर्शन करना है । (4)
17. हासन जिले के इस गाँव में बड़े सुरंग द्‌वारा नदी का पानी बहाया गया है - गाँव का नाम पलट गया है । (3)
18. हलेबीडु के साथ जुड़ा हुआ यह गाँव शिल्पकला का जीता-जागता उदाहरण है । (3)
20. अणु ऊर्जा उत्पादन केंद्र यहाँ स्थापित है - नाम पलट गया है । (2)

K.T.B.S. Not to be republished

उत्तर. बाएँ से दाँए

1. कोप्पल
4. कोलार
5. गुब्बि
6. मैसूरु
7. गुल्बर्गा
8. शिवगंगे
10. इक्केरि
11. सिरसि
13. जावगल
14. बेंगलूरु
15. देवदुर्ग
16. कित्तूरु
18. आगुंबे
19. जोग
21. बादामी
22. गोरूरु

ऊपर से नीचे

2. कोल्लूरु
3. अब्बि
4. कोडगु
8. शिवमोग्गा
9. गेरुसोप्पा
10. इलकल
12. सिंगदूरु
17. बागूरु
18. बेलूरु
20. कैगा

******

KTBS Not to be republished